हिंदी विभाग

Vision

The department aims at enhancing the aesthetic understanding of students and flourishing them into sensible and responsible citizens through the study of literature,envisaging a creative environment by promoting an ambience of learning and research and facilitating interactions on contemporary literature and folk literary tradition of Chhattisgarh region.

Mission

- To provide proper understanding of the text material to the students through teachin continuous evaluation and develop a vision to link the knowledge acquired with their pe behaviour and social life
- To develop a positive environment and utilize educational resources for teaching and resear
- To create an atmosphere of logical thinking and analysis to unleash the conceptual ,sensibility and imagination of the students

बी. ए. पाठ्यक्रम (हिंदी)

विशिष्ट अधिगम परिणाम (Programme Specific Outcomes)

बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी में पाठ्यचर्या पूर्ण कर लेने के उपरांत

1. साहित्य की समझ और उसके माध्यम से मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी ।
2. सामाजिक जीवन और उसकी आंतरिक गतिशीलता के प्रति समझ का विकास होगा ।
3. समाज के विकास और उसकी निर्मिति से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं का यथोचित ज्ञान उसे हो सकेगा ।
4. मानवीय मूल्यों के प्रति उसके भीतर संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
5. उसकी रचनात्मक क्षमता को मुक्त होने का अवसर उपलब्ध हो सकेगा।

6. भाषा के सृजनात्मक और प्रकार्यात्मक पक्ष का समुचित ज्ञान विकसित होगा तथा उसके भाषिक कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता में वृद्धि होगी।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) स्नातक

बी. ए./बी.एस सी./बी.कॉम. भाग-I, (हिंदी भाषा)

पाठ्यक्रम कोड : FCH 01 A/B/C

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. हिंदी में प्रयोजनात्मक तथा कार्यशील भाषा के प्रति सजग होंगे।
2. भाषा-संबंधी संभावित अशुद्धियों से परिचित हो सकेंगे तथा मानक भाषा का व्यवहार करने में सक्षम हो सकेंगे।
3. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता तथा कंप्यूटर में उसके अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।
4. हिंदी साहित्य के पठन-पाठन के प्रति रुचि जागृत हो सकेगी।
5. छत्तीसगढ़ की स्थानीय संस्कृति और उसके वैभव से परिचित हो सकेंगे।

बी. ए./बी.एस सी./बी.कॉम भाग-II, (हिंदी भाषा)

पाठ्यक्रम कोड : FCH 02 A/B/C

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी

1. स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक परिप्रेक्ष्य और महापुरुषों के चिंतन के विषय में जान सकेंगे।
2. भारतवर्ष के सांस्कृतिक अतीत और परम्परा के विषय में जान सकेंगे।
3. प्रयोजनात्मक भाषा की सामान्य जानकारी और समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिंदी की व्याकरण की कोटियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. सटीक और निर्दोष हिंदी भाषा लिखने का कौशल सीख सकेंगे।

बी. ए./बी.एस सी./बी.कॉम भाग-III, (हिंदी भाषा)

पाठ्यक्रम कोड : FCH 03 A/B/C

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी का

1. हिंदी के साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. भारत की समाजिक-आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में ज्ञान विकसित होगा।
3. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा तथा उसके सम्प्रेषण-कौशल में वृध्दि हो सकेगी।
4. कामकाजी भाषा लिखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
5. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

बी. ए. भाग-I, हिंदी साहित्य, प्रथम प्रश्नपत्र (प्राचीन हिंदी-काव्य)

पाठ्यक्रम कोड: BHN-01

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. मध्यकालीन साहित्य से आरंभिक परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मध्यकालीन हिंदी काव्य-भाषा से परिचित हो सकेंगे
3. हिंदी की साहित्यिक परंपरा का आरंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
4. भारतीय संस्कृति, विशेषतः भक्तियुगीन संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति संवेदनशील होंगे।
5. हिंदी की भक्तियुगीन साहित्यिक विरासत से के प्रति गौरव का अनुभव कर सकेंगे।

बी. ए. भाग-I, हिंदी साहित्य, द्वितीय प्रश्नपत्र (हिंदी कथा साहित्य)

पाठ्यक्रम कोड: BHN-02

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. हिंदी कथा साहित्य के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. प्रेमचंद के आख्यान-कौशल और उनकी सामाजिक संवेदनशीलता से परिचित हो सकेंगे।

3. हिंदी में कहानी विधा के स्वरूप का ज्ञान और उसके सौंदर्य का आस्वाद प्राप्त कर सकेंगे।
4. कथा-साहित्य के प्रति रुचि विकसित कर सकेंगे।
5. कथा-भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।

बी. ए. भाग-II, हिंदी साहित्य, प्रथम प्रश्नपत्र (अर्वाचीन हिंदी-काव्य)

पाठ्यक्रम कोड : BHN-03

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. हिंदी की आधुनिक कविता के विकासक्रम के विषय में सामान्य जानकारी हो सकेगी।
2. छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दृष्टि और प्रेरणा प्राप्त हो सकेगी।
3. छायावादोत्तर काव्य के राष्ट्रवादी स्वर को समझने में सहायता मिल सकेगी।
4. प्रयोगवादी कविता को समझने के सूत्र प्राप्त हो सकेंगे।
5. हिंदी-कविता के प्रति रुचि के परिष्कार की दृष्टि अर्जित कर सकेंगे।

बी. ए. भाग-II, हिंदी साहित्य, द्वितीय प्रश्नपत्र, (हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य-विधाएँ)

पाठ्यक्रम कोड: BHN-04

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. हिंदी-गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे।
2. हिंदी-नाटक के आरंभिक दौर में उसके उपनिवेश-विरोधी स्वभाव के बारे में जान सकेंगे।
3. हिंदी-एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. हिंदी-निबंध के स्वरूप और सौंदर्य से परिचय हो सकेगा।
5. गद्य-साहित्य और उसकी परम्परा के प्रति रुचि विकसित कर सकेंगे।

बी. ए. भाग-III, हिंदी साहित्य, प्रथम प्रश्नपत्र (जनपदीय भाषा-साहित्य, छत्तीसगढ़ी)

पाठ्यक्रम कोड: BHN-05

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिरुचि और सजगता विकसित होगी।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव के विषय में सामान्य समझ विकसित हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
5. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा।

बी. ए. भाग-III, हिंदी साहित्य, द्वितीय प्रश्नपत्र (हिंदी भाषा-साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग-विवेचन)

पाठ्यक्रम कोड: BHN-06

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. हिंदी-भाषा की उत्पत्ति तथा उसके ऐतिहासिक विकास का समुचित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिंदी-भाषा के विविध रूपों के व्यावहारिक तथा अनुप्रयोगात्मक पक्ष का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य के ऐतिहासिक विकास क्रम से परिचित हो सकेंगे।
4. हिंदी-समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास के समानांतर हिंदी-भाषा और साहित्य के विकास-क्रम की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
5. काव्य-सृजन के सैद्धांतिक तथा शास्त्रीय स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

एम. ए. (हिंदी साहित्य)

विशिष्ट अधिगम परिणाम (Programme Specific Learning Outcomes)

हिंदी साहित्य के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि पाठ्यचर्या पूर्ण कर लेने के उपरांत उसमें

1. सामाजिक जागरूकता तथा मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न होगी।
2. साहित्य कला के सौंदर्यात्मक पक्ष के प्रति सजगता विकसित होगी।
3. नागरिक दायित्व के प्रति नैतिक जागरूकता उत्पन्न होगी।
4. साहित्य और कलाओं की आशंसन की रुचि जागृत होगी।
5. भाषा के प्रकार्यात्मक एवं व्यवहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
6. हिंदीतर भाषा के साहित्य तथा संस्कृति के प्रति रुचि विकसित होगा।
7. राष्ट्रीय समन्वय और सहयोग का भाव उत्पन्न होगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम (Course learning Outcomes)

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र, हिन्दी साहित्य का इतिहासः भाग-1

(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-101

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास के बीच संबंधों का ज्ञान होगा।
2. हिन्दी-साहित्य के ऐतिहासिक विकास और हिंदी समाज के विकास के बीच पारस्परिक संबंध की समझ निर्मित होगी।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की दृष्टि विकसित होगी।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और समन्वयवादी स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्नपत्र, प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(रासो काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य) भाग-1

पाठ्यक्रम कोड - MHN-102

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की जानकारी और समझ विकसित होगी।
2. भक्ति आंदोलन के प्रतिवादी स्वभाव का ज्ञान हो सकेगा।
3. मध्यकालीन साहित्य संस्कृति के प्रति अभिरुचि जाग्रत होगी।
4. प्राचीन काल के हिंदी साहित्य की सामाजिक संवेदना का ज्ञान होगा।

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर, तृतीय प्रश्नपत्र, काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-103

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदण्डों से परिचय का अवसर मिल सकेगा।
2. साहित्य के आशंसन एवं मूल्यांकन-सम्बन्धी दृष्टिकोण से परिचित होने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।
3. आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त पद्धति का ज्ञान हो सकेगा।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धति के आधार पर वर्तमान समय के साहित्य की आलोचना का पद्धतिगत ज्ञान हो सकेगा।

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर, चतुर्थ प्रश्नपत्र, आधुनिक गद्य-साहित्य (नाटक एवं कहानी) भाग-1

पाठ्यक्रम कोड - MHN-104

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. हिन्दी की आधुनिक नाट्य-परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
2. हिन्दी-निबंध के गद्यात्मक वैभव का साक्षात्कार हो सकेगा।

3. हिन्दी-कहानी की परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
4. गद्य-लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

एम. ए. प्रथम से ेमेस्टर, पंचम प्रश्नपत्र, जनपदीय भाषा एवं साहित्यः छत्तीसगढ़ी (भाग-1) छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति एवं लोकवाङ्.मय

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-105A*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति-रिवाज से परिचय होगा।

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर, हिंदी, पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक), लोक-साहित्य

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-105B*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।
2. देश की लोक-संपदा के प्रति जागरूकता विकसित हो सकेगी।
3. लोक-साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
4. अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य के बीच अंतरसंबंधों की समझ विकसित हो सकेगी।
5. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास होगा।

एम. ए. द्‌वितीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, भाग-2 (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

पाठ्‌यक्रम कोड - MHN-201

1. रीतिकाल की साहित्यिक परम्परा का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान-परम्परा और उसकी साहित्यिक पृष्ठभूमि की जानकारी हो सकेगी।
3. हिन्दी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे।
4. हिन्दी में गद्‌य के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी हो सकेगी।

एम. ए. द्‌वितीय सेमेस्टर, द्‌वितीय प्रश्नपत्र, प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, भाग-2 (सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

पाठ्‌यक्रम कोड - MHN-202

इस पाठ्‌यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्‌यार्थी को

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचय का अवसर प्राप्त होगा।
2. भक्ति काव्य के दो शीर्ष हस्ताक्षरों, सूरदास और तुलसीदास की काव्य संवेदना और उनकी सर्जनात्मकता से परिचय का अवसर प्राप्त होगा।
3. रीति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना की समझ प्राप्त होगा।
4. मध्यकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी हो सकेगी।

एम. ए. द्‌वितीय सेमेस्टर, तृतीय प्रश्नपत्र, काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन: भाग-2 (समीक्षा के प्रमुख सिध्दांत तथा हिन्दी समीक्षा शास्त्र)

पाठ्‌यक्रम कोड - MHN-203

इस पाठ्‌यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्‌यार्थी को

1. आधुनिक साहित्य-समीक्षा की प्रमुख वैचारिक प्रणालियों एवं उसके मानदण्डों से सामान्य परिचय होगा।
2. हिन्दी-आलोचना की विभिन्न धाराओं का ज्ञान हो सकेगा।
3. हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि की जानकारी होगी हिन्दी के निजी समीक्षा-शास्त्र की संभावनाओं को लेकर दृष्टि विकसित होगी।
4. व्यावहारिक समीक्षा की पद्धति का ज्ञान हो सकेगा।

एम. ए. द्‌वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ प्रश्नपत्र, आधुनिक गद्‌य-साहित्यः भाग-2 (उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

पाठ्‌यक्रम कोड - MHN-204

1. हिन्दी के गद्‌य-साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. उपन्यासों के अनुभव-संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का अभ्यास होगा।
3. एकांकी-विद्‌या के विषय में जानकारी होगी तथा सामाजिक जीवन के साथ एकांकी के सम्बन्धों का ज्ञान होगा।
4. हिन्दी के कथेतर गद्‌य-साहित्य से परिचय होगा।

एम. ए. द्‌वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ प्रश्नपत्र, जनपदीय भाषा एवं साहित्यः छत्तीसगढ़ी भाग-2 (छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्‌य-साहित्य)

पाठ्‌यक्रम कोड - MHN-205A

इस पाठ्‌यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्‌यार्थी को

1. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य का ज्ञान हो सकेगा।

2. छत्तीसगढ़ के क्रंातिकारी योध्दा वीरनारायण सिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथम स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता उत्पन्न होगी।
3. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाट्यसाहित्य से परिचय होगा।
4. छत्तीसगढ़ी सीखने और उसका अभ्यास करने की प्रेरणा मिल सकेगी।

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिंदी, पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक), लोक साहित्य भाग - 02 (छत्तीसगढ़ी: छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा-साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-205B

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के लोक जीवन के विषय में समझ और संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का समुचित ज्ञान हो सकेगा।
4. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध होगा।
5. छत्तीसगढ़ के श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास होगा।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र, भाषा विज्ञान- भाग-1

पाठ्यक्रम कोड - MHN-301

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक और संरचनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भाषा की रूप-संरचना और व्याकरण के सैध्दांतिक पक्ष की जानकारी होगी।
3. ध्वनि-संरचना और उसकी सैद्धांतिकी का ज्ञान होगा।
4. भाषा में अर्थापन की पद्धति का ज्ञान होगा।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्नपत्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी-भाग-1 (राजभाषा हिंदी, कम्प्यूटिंग एवं पत्रकारिता)

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-302*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. कार्यालयीन हिंदी की सामान्य जानकारी होगी।
3. हिंदी में कम्प्यूटिंग प्रणाली का ज्ञान होगा।
4. हिंदी-पत्रकारिता के स्वरूप तथा कार्यप्रणाली की जानकारी होगी।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर, तृतीय प्रश्नपत्र, आधुनिक काव्य, भाग-1 (छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-303*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. द्विवेदी-युगीन काव्यधारा से परिचित होने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।
2. छायावाद के काव्य-वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिन्दी के साहित्यिक पुनर्जागरण को समझने की दृष्टि प्राप्त हो सकेगी।
4. मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य-वैशिष्ट्य की जानकारी होगी।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर, चतुर्थ प्रश्नपत्र, भारतीय साहित्य, भाग-1 (भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष)

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-304*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भारत की सांस्कृतिक बहुलता के प्रति जागरूकता विकसित होगी।
3. भारतीय साहित्य की बहुभाषी परम्परा में विविधता और एकात्मता के प्रति सजगता उत्पन्न होगी तथा विविधता के सम्मान का भाव विकसित होगा।

4. भारतीय साहित्य की परम्परा में वर्तमान दौर के साहित्य के ऐतिहासिक विकास की समझ विकसित होगी।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, पंचम प्रश्नपत्र, पत्रकारिता-प्रशिक्षण, भाग-1 (पत्रकारिता का स्वरूप)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-305A

1. वैश्विक, भारतीय तथा भाषायी स्तर पर पत्रकारिता के उदय एवं विकास के इतिहास-क्रम की जानकारी होगी।
2. हिंदी-पत्रकारिता के स्वरूप और प्रणाली का ज्ञान होगा।
3. पत्रकारिता के प्रबंधात्मक तथा प्रकार्यात्मक पक्ष की समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता की कार्यविधि का ज्ञान होगा।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर, हिंदी, पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक), राजभाषा-प्रशिक्षण भाग-1

पाठ्यक्रम कोड - MHN-305B

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. राजकीय कार्य तथा प्रशासन-व्यवस्था में राजभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता, उपयोगिता और उसके अनुप्रयोग के विषय में ज्ञान होगा।
2. भारत-जैसे बहुभाषी समाज में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।
3. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति तथा संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान हो सकेगा।
4. हिंदी-भाषा के मानकीकरण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी हो सकेगी।
5. हिंदी में प्रशासनिक कामकाज करने में सामर्थ्य विकसित हो सकेगा।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र, भाषा विज्ञान, भाग-2 (हिंदी भाषा: ऐतिहासिक विकास एवं आधुनिक स्वरूप)

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-401*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. हिंदी भाषा के विकास के इतिहास क्रम और उसकी परंपरा की जानकारी होगी।

2. हिंदी प्रदेष की जनपदीय बोलियों और उपभाषाओं की विषेषताओं तथा उनके भौगोलिक क्षेत्र-विस्तार का ज्ञान होगा।
3. हिंदी भाषा के प्रकार्यात्मक पक्ष और उसकी संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होगा।
4. हिंदी में कम्प्युटिंग की पध्दति की सामान्य जानकारी होगी।

एम. ए. चतुर्थ सेेमेस्टर, द्‌वितीय प्रश्नपत्र, प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग-2) मीडिया-लेखन एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-402*

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. जनसंचार के स्वरूप, पद्धति और प्रक्रिया की सामान्य जानकारी होगी।
2. जनसंचार माध्यमों की भाषा के वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिंदी में अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि की जानकारी होगी।
4. अनुवाद के सिद्धांत और व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, तृतीय प्रश्न पत्र, आधुनिक काव्य, भाग-2 (प्रगतिवादी एवं उत्तरवर्ती काव्य)

पाठ्यक्रम कोड - *MHN-403*

1. प्रगतिवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप से परिचय होगा।
2. प्रयोगवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप का ज्ञान होगा।

3. अज्ञेय और मुक्तिबोध की लंबी कविताओं के बहाने हिंदी की लंबी कविताओं के स्वरूप और रचना-विधान के बारे में समझ विकसित होगी।
4. नागार्जुन और त्रिलोचन के काव्यगत अभिलक्षणों से परिचय होगा।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, चतुर्थ प्रश्नपत्र, भारतीय साहित्य, भाग-2 (भारतीय साहित्यः पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-404

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. मराठी साहित्य और संस्कृति से विद्यार्थियों का सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की संस्कृति का ज्ञान होने से राष्ट्रीय समन्वय का भाव विकसित होगा।
3. मलयालम तथा कन्नड़ की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन किए जाने से दक्षिणात्य संस्कृति से भी परिचय होगा तथा राष्ट्रीय समन्वय भावना का भी विकास होगा।
4. भारतीयता के सांस्कृतिक स्रोतों के प्रति सजगता उत्पन्न होगी।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, पंचम प्रश्नपत्र, पत्रकारिता प्रशिक्षण, भाग-2 (इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिण्ट पत्रकारिता)

पाठ्यक्रम कोड - MHN-405A

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता की प्रकृति एवं प्रविधि का ज्ञान होगा।
2. जन-संपर्क की विधि का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।
3. संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों विशेषतः वाणी-स्वातंत्रय के लोकतांत्रिक अधिकारों के विषय में समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता के कर्तव्य एवं दायित्व पक्ष का ज्ञान होगा।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी, पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक), राजभाषा-प्रशिक्षण भाग-2

पाठ्यक्रम कोड - MHN-405B

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
2. कार्यालयीन अभिलेखों के हिंदी अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संबंध में जान सकेंगे।
3. हिंदी में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली और उनके व्यवहार के विषय में जान सकेंगे।
4. हिंदी में वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक विधि शब्दावली के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
5. सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)